University in News on 24 March 2025

i-NEXT PAGE 4

ट्रेडिशनल के साथ-साथ मॉडर्न कोर्स भी पढ़ेंगे एलयू के स्टूडेंट्स

मेडिकल, मिलिट्री ज्योग्राफी की भी पढ़ाई करेंगे स्टूडेंट्स

LUCKNOW (23 Mar, inext): ट्रेडिशनल सिलेबस के साथ ही मॉडर्न एजुकेशन आज की जरूरत बन गई है. इसे देखते हुए लखनऊ यूनिवर्सिटी के जियोग्राफी डिपार्टमेंट ने पोस्ट ग्रेजुएशन में 6 नए पेपर्स को एड किया है. ये पेपर्स 2 साल वाले मास्टर्स के साथ ही एनईपी के तहत 1 साल वाले मास्टर्स के स्टूडेंट्स के लिए भी कंपलसरी हैं. आइए जानते हैं इन छह नए पेपर्स के बारे में...

डिपार्टमेंट ऑफ जियोग्राफी ने एड किए 6 नए पेपर्स

मिलिट्री ज्योग्राफी से लेकर टूरिज्म की भी होगी पढ़ाई

"यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स की नॉलेज बढ़ाने और स्किल्स को अपग्रेड करने के लिए जरूरी फैसले लेती आ रही है. ज्योग्राफी में पीजी स्तर पर नए पेपर्स को शामिल करने का उद्देश्य भी स्टूडेंट्स को अपग्रेडेड और मॉडर्न एजुकेशन प्रोवाइड करना है.

प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव, हेड, डिपार्टमेंट ऑफ ज्योग्राफी, लखनऊ विश्वविद्यालय

क्या खास है नए पेपर्स में

1 जियोइनफॉर्मेटिक्स

जियोइनफॉर्मेटिक्स को कोर्स में शामिल करने से स्टूडेंट्स ज्योग्राफिकल कंडीशंस और इनफॉर्मेशन के बारे में विस्तार से पढ़ेंगे, जो ज्योग्राफिकल फैक्ट्स को एनालाइज करने में इफेक्टिव साबित होगा.

2 ज्योग्राफी रूरल डेवलपमेंट

स्टूडेंट्स रूरल एरियाज में होने वाली प्रॉब्लम्स के बारे में बेहतर तरीके से जान सकेंगे. इन प्रॉब्लम्स के सॉल्यूशन और रूरल एरियाज के डेवलपमेंट के लिए कौन से प्रयास किए जाने चाहिए, इसके बारे में भी काम करेंगे.

3 वॉटरशेड मैनेजमेंट

आज के टाइम में देश के ऐसे कई इलाके हैं, जो वॉटर क्राइसिस से जूझ रहे हैं. स्टूडेंट्स को वॉटर क्राइसिस से उबरने के तरीकों के बारे में बताने और वॉटर मैनेजमेंट सिखाने के लिए इस पेपर को पीजी कोर्स में शामिल किया गया है.

4 टूरिज्म ज्योग्राफी

स्टूडेंट्स को देश की भौगोलिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से परिचित करवाने और उनके बारे में टूरिज्म से जुड़ी जानकारी देने के लिए डिपार्टमेंट ने इस नए पेपर को एड किया है.

5 मेडिकल ज्योग्राफी

भारत के अलग-अलग क्षेत्रों में फैलने वाली बीमारियों, उनके कारणों एवं फैलने से रोकने के उपायों के बारे में स्टूडेंट्स को बताने के लिए मास्टर्स में मेडिकल ज्योग्राफी का नया पेपर जोड़ा गया है.

6 मिलिट्री ज्योग्राफी

मिलिट्री ज्योग्राफी के अंतर्गत स्टूडेंट्स देश के बॉर्डर, वहां की परिस्थितियों, रणनीतियों और सिक्योरिटी के बारे में पढ़ेंगे. इसके साथ ही स्टूडेंट्स इंटरनेशनल रिलेशन के बारे में भी जानेंगे.

एलयू मैनेजमेंट डिपार्टमेंट को मिला 38वां स्थान

आईआईआरएफ रैंकिंग में मिला 38वां स्थान

LUCKNOW (23 MARCH): लखनऊ यूनिवर्सिटी के मैनेजमेंट डिपार्टमेंट को आईआईआरएफ रैंकिंग भारत में 38वां और स्टेट यूनिवर्सिटी में पहला स्थान मिला है. इस उपलब्धि पर वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने मैनेजमेंट फैकल्टी को बधाई दी. मैनेजमेंट फैकल्टी की डीन प्रो संगीता साहू ने इस सफलता में योगदान देने वाले सभी लोगों को धन्यवाद कहा.

1956 में हुई थी स्थापना

एलयू में मैनेजमेंट फैकल्टी की स्थापना 1956 में हुई थी. साल 1974 में यहां पर एमबीए कोर्स की शुरूआत हुई. तब से लेकर अब तक डिपार्टमेंट लगातार इनोवेशन, रिसर्च और इंडस्ट्रियल इंगेजमेंट को लेकर काम कर रहा है ताकि यहां से पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स कारपोरेट वर्ल्ड में अपग्रेडेड स्किल्स के साथ अपनी पहचान बना सकें. एलयू से मैनेजमेंट की पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स को भी इंडस्ट्री में अच्छे पैकेज के साथ देश की बड़ी कंपनियों के साथ काम करने का मौका मिल रहा है.

'महिलाओं के सशक्तिकरण से समाज और राष्ट्र का विकास'

मंत्री बोलीं, महिलाओं का विकास केवल समाज कार्य नहीं बल्कि व्यक्तिगत जिम्मेदारी

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (23 Mar): एलयू में वूमेन लेड डेवलपमेंट को लेकर हुए दो दिवसीय नेशनल सेमिनार का रविवार को भव्य समापन हुआ. मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश की महिला एवं बाल विकास और पोषण विभाग की मंत्री बेबी रानी मौर्या और राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की. सेमिनार में महिला सशक्तिकरण को लेकर बात करते हुए बेबी रानी मौर्या ने कहा कि महिला नेतृत्व की दिशा में राज्य सरकार ने कई पहल की हैं, जिनका उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है. उन्होंने सामाजिक संरचनाओं में बदलाव की जरूरत पर बात करते हुए महिला सशक्तिकरण के लिए कार्यक्रमों की जरूरत के बारे में भी बात की.

अगर महिला सशक्त तो राष्ट्र का विकास

इसके साथ ही अपर्णा यादव ने भी अपने उद्बोधन में महिला सशक्तिकरण को लेकर बात करते हुए कहा कि जब महिला सशक्त होती है तो समाज और राष्ट्र का विकास होता है. उन्होंने सरकार की तरफ से महिलाओं को दी जाने वाली सुविधाओं और योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी. इस दो दिवसीय सेमिनार ने स्पष्ट किया कि महिला सशक्तिकरण केवल एक सरकार की जिम्मेदारी नहीं बल्कि समाज के हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है. इस कार्यक्रम में महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर सशक्त बनाने के लिए रणनीतियो पर भी विचार विमर्श किया गया. सेमिनार के दूसरे दिन 2 टेक्निकल और 5 पैरलल सेशन आयोजित किए गए. इस मौके पर यूनिवर्सिटी की प्रो वीसी मनुका खन्ना ने कहा कि शिक्षा ही एकमात्र माध्यम है, जिससे महिलाएं अपनी पहचान बना सकती हैं. हमें ऐसा एजुकेशन सिस्टम तैयार करना होगा जिससे छात्राओं में लीडिंग स्किल्स डेवलप हो सकें.

HINDUSTAN PAGE 8

महिलाएं सशक्त हैं तो समाज और राष्ट्र का होगा विकास

लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में रविवार को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन हुआ। इस मौके पर मंत्री बेबी रानी मौर्य मौजूद रहीं।

लखनऊ, कासं। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में हुई दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन रविवार को हुआ। विश्वविद्यालय के राधाकमल मुखर्जी हॉल में हुई संगोष्ठी के अन्तिम दिन वक्ताओं ने महिला नेतृत्व और समाज में महिलाओं की भूमिका पर विचार रखे।

महिला कल्याण मंत्री बेबी रानी मौर्य ने संगोष्ठी में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रदेश सरकार द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिला नेतृत्व की दिशा में राज्य सरकार ने कई पहल की हैं, जिनका उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने सामाजिक संरचनाओं में बदलाव की आवश्यकता की बात करते हुए महिला सशक्तिकरण के लिए अधिक कार्यक्रमों और नीतियों के निर्माण की आवश्यकता बताई। राज्य महिला आयोग उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने कहा कि महिलाएं जब सशक्त होती हैं, तो समाज और राष्ट्र दोनों का विकास होता है। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए कई योजनाओं की जानकारी दी। एलयू प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, कला संकायाध्यक्ष प्रो. अरविन्द मोहन, विभागाध्यक्ष समाज कार्य विभाग प्रो. राकेश द्विवेदी मौजूद रहे। महिलाओं और बालिकाओं के लिए नेतृत्व और नवाचार के अवसरों को प्राथमिकता विषय पर प्रो. राज कुमार सिंह, प्रो. राकेश चंद्र, प्रो. शिवानी मिश्रा, प्रो. अश्विनी सिंह ने विचार साझा किए। संगोष्ठी में ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से 124 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

13 से अधिक राज्यों से 550 प्रतिभागी शामिल हुए

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

सामाजिक कार्य नहीं, राष्ट्र निर्माण है महिला सशक्तीकरण

लविवि के समाज कार्य विभाग पहुंचीं मंत्री बेबी रानी मौर्य

मंत्री बेबी रानी मौर्य

लखनऊ। महिला सशक्तीकरण सिर्फ सामाजिक काम नहीं है, बल्कि राष्ट्र निर्माण भी है। ये बात महिला कल्याण, बाल विकास और पुष्टाहार विभाग की मंत्री बेबी रानी मौर्य कही। वे रविवार को लविवि के समाज कार्य विभाग की ओर से हुई दो दिवसीय गोष्ठी के समापन समारोह में बोल रहीं थीं।

राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने कहा, महिलाएं जब सशक्त होती हैं, तो समाज और राष्ट्र दोनों का विकास होता है। लविवि की प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने कहा, शिक्षा ही वह माध्यम है, जिससे महिलाएं अपनी पहचान और क्षमता को पहचान सकती हैं।

कला संकायाध्यक्ष प्रो. अरविंद मोहन ने कहा, यह गोष्ठी महिला नेतृत्व के लिए एक नया दिशा-निर्देश प्रस्तुत करने में सहायक साबित होगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग को आईआईआरएफ रैंकिंग में मिला 38वां स्थान

राज्य के विश्वविद्यालयों में पहला स्थान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालयके प्रबंधन विभाग को भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (आईआईआरएफ) के तहत देश में 38वां स्थान मिला है। वहीं, प्रदेश में पहला स्थान मिला है। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक राय ने इस उपलब्धि पर विभाग को बधाई दी। प्रबंधन अध्ययन संकाय की डीन प्रो. संगीता साहू ने बताया कि विवि में ये विभाग 1956 में स्थापित हुआ था। यहां एमबीए कार्यक्रम 1974 में शुरू हुआ था। 50 से अधिक बैचों के उद्योग-तैयार पेशेवरों को यहां प्रशिक्षण मिल चुका है। (संवाद)

अपनाएंगे तो जीवन में आएगा बदलाव

लखनऊ। लविवि के जानकीपुरम परिसर के विधि संकाय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत सात दिवसीय शिविर में विशेषज्ञों ने छात्र-छात्राओं को योग के फायदे बताए। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शशि प्रभा जोशी, डॉ. चंद्र शेखर राय ने स्वयं सेवकों को दैनिक जीवन में योग से होने वाले शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य लाभ के संबंध में जानकारी दी। (संवाद)

उपलब्धि | भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क रैंकिंग में उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में छाया प्रबंधन विभाग

आईआईआरएफ रैंकिंग में एलयू का प्रबंधन विभाग अव्वल

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग (पूर्व में व्यवसाय प्रशासन विभाग) ने भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (आईआईआरएफ) रैंकिंग में भारत में 38वां स्थान और उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक राय ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए विभाग को बधाई दी। प्रोफेसर संगीता साहू, प्रबंधन अध्ययन संकाय की डीन ने इस सफलता में योगदान देने वाले सभी हितधारकों का आभार जताया।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि 1956 में स्थापित होने के बाद से, प्रबंधन विभाग भारत में प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रहा है। इसका एमबीए कार्यक्रम, जिसे 1974 में शुरू किया गया था, अब तक 50 से अधिक बैचों के उद्योग-तैयार पेशेवरों को प्रशिक्षित कर चुका है और यह देश के शीर्ष रैंकिंग प्रबंधन कार्यक्रमों में से एक बना हुआ है। प्रबंधन विभाग नवाचार, अनुसंधान और उद्योग सहभागिता पर विशेष ध्यान देता है, ताकि इसके स्नातक प्रतिस्पर्धी व्यावसायिक दुनिया में आवश्यक कौशल के साथ आगे बढ़ सकें। विभाग ऐसे दूरदर्शी नेताओं को तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है जो कॉर्पोरेट जगत में सकारात्मक बदलाव लाने में सक्षम होंगे।

38 वां स्थान भारत में मिला है विश्वविद्यालय को, 1956 में हुआ स्थापित

50 से अधिक बैचों के पेशेवरों को प्रशिक्षित कर चुका है एलयू का प्रबंधन विभाग

"प्रबंधन विभाग ने निरंतर बेहतर कार्य कर रहा है। यही कारण है कि प्रबंधन विभाग का एक बेहतरीन इतिहास और स्वर्णित भविष्य दिखता है। राज्य में प्रथम स्थान मिलना खास उपलब्धि है।

प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति,

छात्रों को प्लेसमेंट

प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विभाग के छात्र प्रतिष्ठित कंपनियों में सफलतापूर्वक नियुक्त हो रहे हैं। जिनमें इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड, गोदरेज एंड बॉयस मैन्युफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड, वोल्वो ग्रुप, आयशर ट्रक्स एंड बसेस, एंटाल इंटरनेशनल, आईटीसी लिमिटेड, श्री सीमेंट लिमिटेड, प्रिज्म सीमेंट - प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड, बर्जर पेंट्स इंडिया, रालसन इंडिया लिमिटेड, कैविनकेयर, राल्को, कैफे कॉफी डे, जियो, एयरटेल सहित कई अन्य प्रमुख संगठन शामिल हैं।

JAGRAN CITY PAGE III

लवि का प्रबंधन विभाग शीर्ष पर

जासं • लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग ने भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (आइआइआरएफ) में देश भर में 38वां और उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में पहला स्थान पाकर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह रैंकिंग विभाग की प्रबंधन शिक्षा में उत्कृष्टता, उद्योग से जुड़ाव और नवाचार-आधारित शिक्षण पद्धतियों को दर्शाती है।

1956 में स्थापित इस विभाग ने 1974 में अपना एमबीए कार्यक्रम शुरू किया था, जिसने अब तक 50 से अधिक बैचों के उद्योग-तैयार पेशेवरों को प्रशिक्षित किया है। विभाग नवाचार, अनुसंधान और उद्योग सहभागिता पर विशेष ध्यान देता है। यहां के विद्यार्थियों को कई कंपनियों में बेहतर पदों पर अवसर भी मिल रहा है। इन कंपनियों में इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड, गोदरेज एंड बायस, वोल्वो ग्रुप, आइटीसी लिमिटेड, कैफे काफी डे, जियो, एयरटेल, वोडाफोन आइडिया आदि हैं। आइआइआरएफ रैंकिंग में उच्च स्थान मिलने से विभाग में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को शीर्ष कंपनियों में और भी नौकरी के अवसर मिलेंगे। उन्हें उद्योग जगत में एक अलग पहचान मिलेगी। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इस उपलब्धि पर विभाग को बधाई देते हुए कहा कि यह छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और प्रशासन की मेहनत का परिणाम है। प्रबंधन अध्ययन संकाय की डीन प्रो. संगीता साहू ने भी इस सफलता में योगदान देने वाले सभी का आभार व्यक्त किया।

'समाज व परिवार की भागीदारी से महिलाओं का पूरा विकास'

जासं • लखनऊ: 'महिला सशक्तीकरण सिर्फ समाज सुधार का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की व्यक्तिगत जिम्मेदारी भी है। सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई योजनाएं चला रही है, लेकिन जब तक समाज और परिवार उनके सशक्तीकरण में भागीदार नहीं बनते, तब तक पूर्ण विकास संभव नहीं।' यह विचार महिला कल्याण, बाल विकास एवं पोषण मंत्री बेबी रानी मौर्य ने रविवार को लवि के राधा कमल मुकर्जी सभागार में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र पर रखे।

राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने कहा कि महिलाएं सशक्त होती हैं, तो पूरा समाज और राष्ट्र आगे बढ़ता है। लवि की प्रति कुलपति प्रोफेसर मनुका खन्ना, अधिष्ठाता कला संकाय प्रोफेसर अरविंद मोहन ने भी विचार रखे। संगोष्ठी में 13 राज्यों के 550 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में आयोजन सचिव डा. अन्विता वर्मा, समाज कार्य विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर राकेश द्विवेदी, डा. रमेश कुमार त्रिपाठी मौजूद रहे।

TOI PAGE 3

LU's mgmt dept ranked 38th by IIRF

TIMES NEWS NETWORK

On the 115 birth anniversary of socialist idealogue Ram Manohar Lohia, a new statue was unveiled on LU campus on Sunday

Lucknow: Department of management (formerly known as the Department of Business Administration), under Faculty of Management Studies of Lucknow University earned 38th rank in India and first among state universities in UP in the Indian Institutional Ranking Framework (IIRF) Ranking.

IIRF is a trusted ranking system that evaluates over 5,000 academic institutions across India, covering universities, engineering colleges, B-schools, and specialised institutes in fields like law, design, architecture, healthcare, media, hospitality and more.

"The recognition reaffirms the department's commitment to excellence in management education and its continuous pursuit of academic and professional distinction," said Professor Sangeeta Sahu, dean of faculty of management studies.

She said since its inception in 1956, the department was at the forefront of management education in India. Its MBA programme, launched in 1974, nurtured around 50 cohorts of industry-ready professionals and remains one of the top-ranked management programmes in the country.

PIONEER PAGE 3

एलयू के प्रबंधन विभाग को आईआईआरएफ रैंकिंग में मिला 38वां स्थान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग (पूर्व में व्यवसाय प्रशासन विभाग), जो प्रबंधन अध्ययन संकाय के अंतर्गत आता है, ने भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (आईआईआरएफ) रैंकिंग में भारत में 38वां स्थान और उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान प्राप्त कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह मान्यता विभाग की प्रबंधन शिक्षा में उत्कृष्टता और निरंतर शैक्षणिक व व्यावसायिक उत्कृष्टता की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की पुष्टि करती है। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक राय ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए विभाग को बधाई दी। प्रोफेसर संगीता साहू, प्रबंधन अध्ययन संकाय की डीन, ने इस सफलता में योगदान देने वाले सभी हितधारकों के प्रति आभार व्यक्त किया। बता दें कि 1956 में स्थापित होने के बाद से, प्रबंधन विभाग भारत में प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रहा है।

महिला नेतृत्व की दिशा में राज्य सरकार ने कई पहल कीः बेबी रानी मौर्या

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजकार्य विभाग में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन रविवार को राधाकमल मुखर्जी हॉल हो गया। सत्र की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और पुष्पगुच्छ से अतिथियों का स्वागत करने के साथ हुई। संगोष्ठी के समापन सत्र में सम्मानित अतिथियों ने महिला नेतृत्व और समाज में महिलाओं की भूमिका पर अपने विचार प्रस्तुत किए। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल महिला कल्याण, बाल विकास और पोषण विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार बेबी रानी मौर्य ने अपने संबोधन में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रदेश सरकार द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिला नेतृत्व की दिशा में राज्य सरकार ने कई पहल की हैं, जिनका उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने सामाजिक संरचनाओं में बदलाव की आवश्यकता की बात करते हुए महिला सशक्तिकरण के लिए अधिक कार्यक्रमों और नीतियों के निर्माण की आवश्यकता बताई। महिलाओं को जागरूक करने, उन्हें अवसर प्रदान करने और उनके अधिकारों की रक्षा करने के लिए संगठनों और समाज के बीच सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने अपने संबोधन में महिला सशक्तिकरण के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि महिलाएँ जब सशक्त होती हैं, तो समाज और राष्ट्र दोनों का विकास होता है। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए कई योजनाओं की जानकारी दी और यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता जताई कि महिलाएँ हर क्षेत्र में समान अवसर और अधिकार प्राप्त करें। प्रो. मनुका खन्ना, प्रति-कुलपति ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे महिलाएँ अपनी पहचान और क्षमता को पहचान सकती हैं। हमें ऐसी शिक्षा व्यवस्था विकसित करनी होगी जिसमें छात्राओं के नेतृत्व कौशल का उचित विकास हो सके। संकायाध्यक्ष प्रो. अरविंद मोहन ने कहा कि महिला नेतृत्व और सशक्तिकरण के बिना समाज की प्रगति संभव नहीं है। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा महिला शिक्षा और सशक्तिकरण के लिए किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिलाओं के अधिकारों और उनकी सुरक्षा को प्राथमिकता देना समाज और राष्ट्र की जिम्मेदारी है।

THE PIONEER PAGE 3

Women mpowerment initiatives highlighted

PIONEER NEWS SERVICE ■ Lucknow

A two-day national seminar on "Women-Led Development: Arising Concerns and Strategies for Viksit Bharat @ Vision 2047" was organised by the Department of Social Work, Lucknow University, on Saturday and Sunday. Its main objective was to promote women-led development by strengthening their social, economic and political roles and focus on addressing the emerging challenges related to gender equality and discussing strategic solutions for ensuring inclusive development.

UP Minister of State for Women's Welfare, Child Development and Nutrition, Pratibha Shukla, who was the chief guest, said women safety, health and education are among the top priority actions of the government. She also highlighted the various government schemes and programmes aimed at women's uplift such as Kanya Sumangala Yojana, One Stop Centres, Nari Shakti Vandan Act and the Chief Minister's Self-Employment Scheme. She emphasised that when women are empowered, the nation prospers.Former Vice-Chancellor, Tumkur University, Karnataka, Colonel Prof YS Siddegowda shared his insights on gender empowerment. He said policies and programmes should not be limited to plans but to implement and monitor at the grassroot level. He underscored the importance of enhancing women's education and skill development in various fields such as technology, arts and science and drew attention to critical issues such as maternal health, gender-based violence, rural and tribal women's challenges and the need for economic and educational independence for women.

LU Vice-Chancellor, University Prof Alok Rai in his presidential address shared statistics on women's representation in leadership positions across the state and within the university.

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

महिलाओं का विकास राष्ट्र निर्माण के लिए व्यक्तिगत जिम्मेदारी : बेबी रानी मौर्या

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। समाज कार्य विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन सत्र रविवार को राधाकमल मुखर्जी हॉल, लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। सत्र की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन और पुष्पगुच्छ से अतिथियों का स्वागत करने के साथ हुई।

संगोष्ठी के समापन सत्र में सम्मानित

• लविवि में संगोष्ठी के समापन सत्र सम्पन्न

अतिथियों ने महिला नेतृत्व और समाज में महिलाओं की भूमिका पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में अतिथि बेबी रानी मौर्य, मंत्री, महिला कल्याण, बाल विकास और पोषण विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार, ने अपने संबोधन में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रदेश सरकार द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिला नेतृत्व की दिशा में राज्य सरकार ने कई पहल की हैं, जिनका उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने सामाजिक संरचनाओं में बदलाव की आवश्यकता की बात करते हुए महिला सशक्तिकरण के लिए अधिक कार्यक्रमों और नीतियों के निर्माण की आवश्यकता बताई। महिलाओं को जागरूक करने, उन्हें अवसर प्रदान करने और उनके अधिकारों की रक्षा करने के लिए संगठनों और समाज के बीच सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रो. मनुका खन्ना, प्रति-कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा, ₹शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे महिलाएँ अपनी पहचान और क्षमता को पहचान सकती हैं। हमें ऐसी शिक्षा व्यवस्था विकसित करनी होगी जिसमें छात्राओं के नेतृत्व कौशल का उचित विकास हो सके ₹

प्रो. अरविंद मोहन, संकायाध्यक्ष, कला संकाय, लखनऊ विश्वविद्यालय ने कहा कि महिला नेतृत्व और सशक्तिकरण के बिना समाज की प्रगति संभव नहीं है। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा महिला शिक्षा और सशक्तिकरण के लिए किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिलाओं के अधिकारों और उनकी सुरक्षा को प्राथमिकता देना समाज और राष्ट्र की जिम्मेदारी है। उन्होंने इस संगोष्ठी को बहुत ही महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह महिला नेतृत्व के लिए एक नया दिशा-निर्देश प्रस्तुत करने में सहायक साबित होगा। प्रो. राकेश द्विवेदी, संयोजक एवं विभागाध्यक्ष, समाज कार्य विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय ने संगोष्ठी की शुरूआत में सभी को स्वागत करते हुए यह कहा कि महिला नेतृत्व को समाज के प्रत्येक स्तर पर सशक्त बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इस संगोष्ठी ने महत्वपूर्ण नीतिगत पहलुओं पर चर्चा की और यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया कि महिलाओं के लिए एक समान अवसर उपलब्ध हो।

डॉ. अन्विता वर्मा, आयोजन सचिव, समाज कार्य विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय ने संगोष्ठी की कार्यवाही का सार प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि यह संगोष्ठी महिलाओं के समग्र विकास के लिए न केवल योजनाओं की समीक्षा कर रही है, बल्कि समाज में उनकी भूमिका को समझने और उसे सशक्त बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य, और राजनीति में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए नीति-निर्माण में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि इस संगोष्ठी में भारत के 13 से अधिक राज्यों से 550 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से 124 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। आपने बताया कि संगोष्ठी के दौरान कई महत्वपूर्ण परिणाम सामने आए, जिनमें प्रमुख महिला शिक्षा पर बल, महिला स्वास्थ्य के सुधार के लिए योजनाएँ, महिला रोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण, महिला सुरक्षा को बढ़ावा और राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना हैं।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन का आरम्भ ह्लमहिलाओं और बालिकाओं के लिए नेतृत्व और नवाचार के अवसरों को प्राथमिकताह्व विषयक प्लेनरी सत्र से हुआ, जिसमें अनेक प्रतिष्ठित विद्वानों, प्रो. राज कुमार सिंह, प्रो. राकेश चंद्र, प्रो. शिवानी मिश्रा, प्रो. अश्विनी कुमार सिंह, अजय सुमन शुक्ला ने महिलाओं और बालिकाओं के नेतृत्व व नवाचार के अवसरों पर अपने बहुमूल्य विचार साझा किए। अपने महिला नेतृत्वित विकास के तीन प्रमुख दृष्टिकोण झ्र ₹महिला विकास में₹, ₹महिला और विकास₹, तथा ₹महिला नेतृत्वित विकास₹ की चर्चा करते हुए महिलाओं को निर्णय-निर्माण की प्रक्रियाओं में सक्रिय रूप से शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने समाज में शक्ति की पारंपरिक अवधारणाओं को चुनौती देते हुए आत्म-शक्ति की ओर अग्रसर होने की बात की। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए एक सक्षम और सहयोगी, सक्षम और संवेदनशील वातावरण का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। संगोष्ठी के दूसरे दिन 2 तकनिकी सत्र एवं 5 सामानांतर सत्रों का भी आयोजन किया गया। संगोष्ठी का समापन धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

AMRIT VICHAR PAGE 7

महिलाएं सशक्त तभी समाज और राष्ट्र का विकास

मंच पर मौजूद बेबीरानी मौर्य, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अर्पणा यादव।

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

▸▸ लखनऊ विवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ समापन

अमृत विचारः लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का रविवार को समापन हो गया। इस दौरान महिला कल्याण, बाल विकास और पोषण विभाग मंत्री बेबी रानी मौर्य ने कहा कि महिला नेतृत्व की दिशा में राज्य सरकार ने कई पहल की हैं, जिनका उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अर्पणा यादव ने महिला सशक्तिकरण के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि महिलाएं जब सशक्त होती हैं, तो समाज और राष्ट्र दोनों का विकास होता है।

प्रो. मनुका खन्ना प्रति-कुलपति ने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे महिलाएं अपनी पहचान और क्षमता को पहचान सकती हैं। हमें ऐसी शिक्षा व्यवस्था विकसित करनी होगी जिसमें छात्राओं के नेतृत्व कौशल का उचित विकास हो सके। प्रो. अरविंद मोहन, संकायाध्यक्ष ने कहा कि महिला नेतृत्व और सशक्तिकरण के बिना समाज की प्रगति संभव नहीं है। प्रो. राकेश द्विवेदी संयोजक एवं विभागाध्यक्ष, समाज कार्य विभाग ने संगोष्ठी की शुरुआत में सभी को स्वागत करते हुए यह कहा कि महिला नेतृत्व को समाज के प्रत्येक स्तर पर सशक्त बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। संगोष्ठी में डॉ. अन्विता वर्मा, प्रो. राज कुमार सिंह, प्रो. राकेश चंद्र, प्रो. शिवानी मिश्रा, प्रो. अश्विनी कुमार सिंह, अजय सुमन शुक्ला ने महिलाओं और बालिकाओं के नेतृत्व व नवाचार के अवसरों पर अपने विचार साझा किए। धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. रमेश कुमार त्रिपाठी, सह आयोजन सचिव ने प्रस्तुत किया।

लविवि को आईआईआरएफ रैंकिंग में 38वां स्थान

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग ने भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (आईआईआरएफ) रैंकिंग में देश में 38वां स्थान और उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह मान्यता विभाग की प्रबंधन शिक्षा में उत्कृष्टता और निरंतर शैक्षणिक व व्यावसायिक उत्कृष्टता की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की पुष्टि करती है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए विभाग को बधाई दी। प्रो. संगीता साहू, प्रबंधन अध्ययन संकाय की डीन ने इस सफलता में योगदान देने वाले सभी हितधारकों के प्रति आभार व्यक्त किया।